

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक  
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)  
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 256]

रायपुर, बुधवार, दिनांक 6 अप्रैल 2022 — चैत्र 16, शक 1944

उच्च शिक्षा विभाग  
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 31 मार्च 2022

## अधिसूचना

क्रमांक एफ 3-10/2008/38-2. — छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर के पत्र क्रमांक 619/पी.यू./एस.एण्ड.ओ./2008/16577, दिनांक 07-02-2022 द्वारा मैट्स विश्वविद्यालय, गुल्लू आरुंग, जिला-रायपुर के संशोधित अध्यादेश क्रमांक 03 व 15 एवं अनुगामी अध्यादेश क्रमांक 137 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 29(2) के तहत किया गया है.

- राज्य शासन, एतद्वारा, उपरोक्त अध्यादेशों को राजपत्र में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति प्रदान करता है.
- उपरोक्त अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावशील होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
भुवनेश यादव, सचिव.

## प्रस्तावित अध्यादेश

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम एवं संख्या	मौजूदा प्रावधान संख्या जिसे परिवर्तित किया जाना है अथवा जिसके बाद इसे जोड़ा जाएगा	मौजूदा प्रवधान	प्रस्तावित परिवर्तन / परिवर्धन	औचित्य
1.	अध्यादेश क्रमांक - 3 मास्टर ऑफ साइंस - एमएससी.	आदेश क्रमांक 3, खण्ड 3.1 में उल्लेखित विषयों के साथ एक और विषय जोड़ा जाना है।	गणित / भौतिकी / रसायन विज्ञान / वनस्पति विज्ञान / प्राणी विज्ञान / जैव रसायन / जैव सूचना विज्ञान / इलेक्ट्रॉनिक्स / में एम. एससी.	भू सूचना विज्ञान में मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी)	इस पाठ्यक्रम के क्षेत्र का दायरा बढ़ता रहता है और यह विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करता है।
2.	अध्यादेश क्र. -15 बीबीएम	अध्यादेश क्र. -15	बैचलर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (बीबीएम)	बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए)	बीबीए की डिग्री के साथ प्रशासनिक अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करना। पाठ्यक्रम का शीर्षक बैचलर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (बीबीएम) को बीबीए के रूप में पुनर्गठित करना और इसलिए भारत का राजपत्र, जुलाई 5, 2014 (आषाढ़ 14, 1936) भाग III-खंड, 4, बिन्दु संख्या 37 के अनुसार बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) के रूप में पढ़ा जाए। संलग्न: भारत का राजपत्र।

## नये प्रस्तावित अध्यादेश की अनुक्रमणिका

क्र.	अध्यादेश संख्या	पाठ्यक्रम का नाम जिसे जोड़ा जाना है	औचित्य
1.	अध्यादेश क्र. -137	बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (बीएमएस)	नया पाठ्यक्रम जोड़ा जाना है।

## अध्यादेश 137

## बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (बीएमएस)

- 137.1 परिचय — इस अध्यादेश को बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के लिए संक्षिप्त रूप में बी.एम.एस के रूप में मैट्स विश्वविद्यालय के अध्यादेश के रूप में जाना जाएगा। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रबंधन के क्षेत्र में विद्यार्थियों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान कर उनके कैरियर का निर्माण करना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन में एक मजबूत आधार प्रदान करता है और छात्रों को उनकी रुचि के विशिष्ट क्षेत्रों कृषि भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला, विमानन सेवाएँ और एयर कार्गो, ईकॉम संचालन, एक्टिज़म और एक्सप्रेस, भूमि परिवहन आदि में गहन ज्ञान विकसित करने के प्रति प्रेरित करता है।
- 137.2 शीर्षक : बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (बीएमएस)
- 137.3 संकाय : प्रबंधन संकाय
- 137.4 अवधि : तीन वर्ष (छह सेमेस्टर)
- 137.5 पात्रता : छत्तीसगढ़ उच्चतर माध्यमिक शिक्षा मंडल या अन्य किसी उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी संकाय में 10 + 2 उत्तीर्ण
- 137.6 सीटें : बुनियादी इकाई 60 सीटों की होगी। इस इकाई के एकाधिक इकाई भी प्रबंधन मंडल द्वारा स्थापित किए जा सकते हैं।
- 137.7. प्रवेश प्रक्रिया : जैसा कि अध्यादेश संख्या — 1 में निर्दिष्ट है।
- 137.8 शैक्षणिक वर्ष : दो शैक्षणिक चक्र होंगे, जुलाई से जून तक प्रथम चक्र तथा जनवरी से दिसंबर तक दूसरा चक्र।
- 137.9 चयन प्रक्रिया : विश्वविद्यालय, प्रत्येक शैक्षणिक चक्र के प्रारंभ के पूर्व, समाचार पत्रों में, विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड, विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर तथा अन्य प्रचार माध्यम जैसे टीवी और रेडियो में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा।  
चयनित अभ्यर्थी की सूची, वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जायेगा अथवा विद्यार्थियों को उनके प्रवेश के बारे में सीधे सूचित किया जायेगा।  
अभ्यर्थी जिसका परीक्षा परिणाम प्रतीक्षाधीन है पर भी लागू हो सकेगा। तथापि ऐसे अभ्यर्थी को अपेक्षित पात्रता मापदण्ड के लिये प्रमाण के रूप में मार्कशीट या डिग्री प्रमाणपत्र, अंतिम तारीख (कट ऑफ डेट) के पूर्व प्रस्तुत करना होगा यदि ऐसा करने में असफल होने पर, दिया गया अंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। प्रवेश निम्नलिखित किन्हीं कारणों से निरस्त किया जा सकता है:
1. आवेदन पत्र अपूर्ण है।
  2. देय तिथि पर फीस का भुगतान नहीं किया गया है।
  3. प्रवेश के लिये अपेक्षित समर्थित दस्तावेज संलग्न नहीं किया गया हो।
  4. आवेदन पत्र में गलत जानकारी दी गई हो।
- 137.10 शुल्क : प्रबंधन मंडल द्वारा तय की जाएगी एवं छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर द्वारा समय-समय पर यथा विनिश्चित।
- 137.11 परीक्षा योजना : विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश 29 के प्रावधानों के अनुसार।
- 137.12 पाठ्यक्रम संरचना : अध्ययन मंडल द्वारा निर्मित एवं एकेडमिक काउंसिल द्वारा अनुमोदित।
- 137.13 सामान्य : पाठ्यक्रम से संबंधित समस्त विषयों में विश्वविद्यालय के कुलपति का विनिश्चय अंतिम होगा। तथापि विद्या परिषद की अनुशंसा पर कुलपति, परीक्षा प्रणाली या स्वरूप में परिवर्तन करने हेतु सक्षम होगा। किसी विवाद की दशा में, मामलों का विनिश्चय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के अधिकारिता के अधीन किया।  
यह पाठ्यक्रम पर्याप्त आवश्यक शैक्षणिक सुविधाओं के निर्माण के बाद और किसी नियामक निकाय द्वारा आवश्यक होने पर नियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद शुरू किया जाएगा।

अटल नगर, दिनांक 31 मार्च 2022

क्रमांक एफ 3-10/2008/38-2. — भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 31-03-2022 का अंग्रेजी अनुवाद छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
भुवनेश यादव, सचिव.

Atal Nagar, the 31st March 2022

## NOTIFICATION

No. F 3-10/2008/38-2. — Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No. 619/PU/S&O/2008/16577, Dated 07-02-2022 has approved the amendment of Ordinance No. 03 & 15 and the New Ordinance No. 137 of Mats University, Gullu, Aarang, District-Raipur, Under Section 29(2) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operation) Act, 2005.

2. The State Government hereby gives its approval for notification of above Ordinances in Official Gazette.
3. The above Ordinances shall come into force from the date of its publication in the official Gazette.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,  
BHUVANESH YADAV, Secretary.

**PROPOSED AMENDMENTS**

<b>S N</b>	<b>Number &amp; Name of Program</b>	<b>Existing Provision No. Which is to be Replaced Or After Which it shall be added</b>	<b>Existing Prov- ision</b>	<b>Proposed Change / Addition</b>	<b>Justification</b>
1	<b>Ordinance no. - 3 Master of Science - M.Sc.</b>	In Ord. No. 3, one more subjects to be added with the subjects mentioned in Clause 3.1	M. Sc. in Mathematics/ Physics/ Chemistry/ Botany/ Zoology / Biochemistry / Bioinformatics / Electronics /	Master of Science (M.Sc.) in Geo Informatics	The scope of this field keeps expanding & provides opportunities to the people who pursue this course.
2	<b>Ordinance No. - 15 BBM</b>	Ordinance no. 15	Bachelor of Business Management (BBM)	Bachelor of Business Administration (BBA)	To offer degree in BBA with focus on Administrative studies. Title of the course Bachelor of Business Management (BBM) be restructured as BBA and hence to be read as Bachelor of Business Administration (BBA) as per the Gazette of India Notification No. July 5, 2014 (ASHADHA 14 1936) Part III-sec. 4, Point No. 37. Encl: The Gazette of India.

<b><u>INDEX OF PROPOSED NEW ORDINANCE</u></b>			
<b>S N</b>	<b>Number of Ordinance</b>	<b>Name of the Program that are to be Added</b>	<b>Justification</b>
1	<b>Ordinance no. - 137</b>	Bachelor Of Management Studies (B.M.S)	New course to be added

**Ordinance 137****Bachelor of Management Studies**

**137.1. Introduction:** This Ordinance shall be known as MATS University Ordinance for Bachelor of Management Studies abbreviated as B.M.S.

The aim of this program shall be to allow the student to obtain the knowledge and skills needed to assume management positions in a wide range of organizations. The Programme provides students with a strong foundation in Organizational behavior & Human resource management and allows students to develop deeper knowledge in specific area of interest like, Agri Storage & Supply Chain, Aviation Services & Air Cargo, Ecom Operations, Exim & Express, Land Transportation.

**137.2. Title:** Bachelor of Management Studies – B.M.S

**137.3. Faculty:** Faculty of Management

**137.4. Duration:** Three Years (or six semesters.)

**137.5. Eligibility:** 10+2 in any discipline from a recognized University

**137.6. Seats:** The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

**137.7. Admission Procedure:** As specified in the Ordinance no. 1

**137.8 Academic year:** There would be academic cycle one from July to June and second from January to December.

**137.9. Selection Procedure:** The University will issue admission notification in news papers, on the notice board of the university, University website and in other publicity media before the start of every cycle. The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The centre will also display the university's selected list. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof for



required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled. The admission May be rejected due to following reasons:

1. The application form is incomplete in anyways.
2. The fees is not paid by the due date
3. Supporting documents required for admission are not enclosed.
4. Wrong information is given in the application form.

Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fees.

**137.10. Fees:**

The Course fees will be as decided by the Board of Management and approved by Chhattisgarh Private University Regulatory Commission, Raipur from time to time.

**137.11. Examination Scheme:** As per University Examination Ordinance 29, unless provided otherwise.

**137.12. Course Structure:** As framed by the Board of Studies and Approved by the Academic Council,

**137.13. General:** In all matters, pertaining to the course, decision of the Vice-Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice- Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the High Court of Chhattisgarh.

This course will be started after creating sufficient required academic facilities & after getting regulatory approval, in case required by any regulatory body.